ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class VII

Subject- Hindi Second Language

Topic- पाठ 7 (कहानी)

प्रश्नोत्तर और व्याकरण

By- नीलम सौंखला

©ISWK

मिठाईवाला (कहानी)

प्रश्न अभ्यास

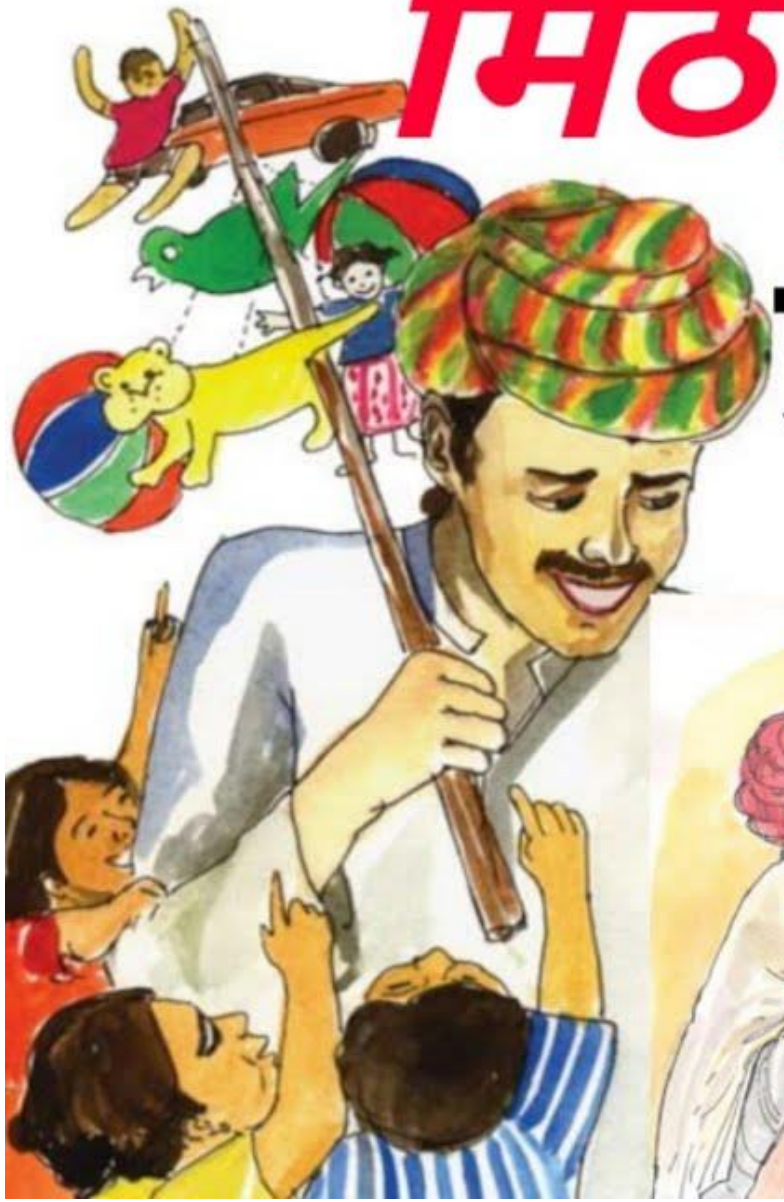

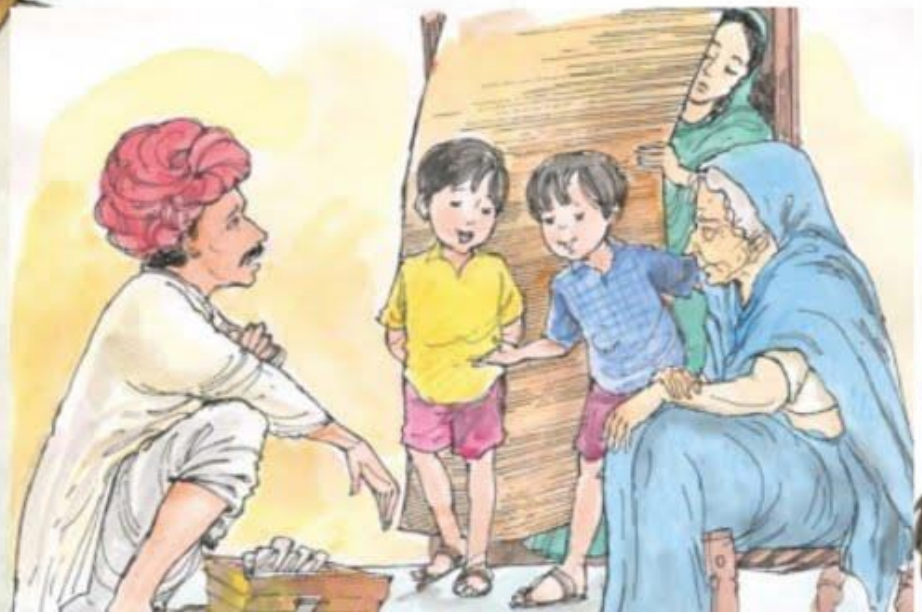

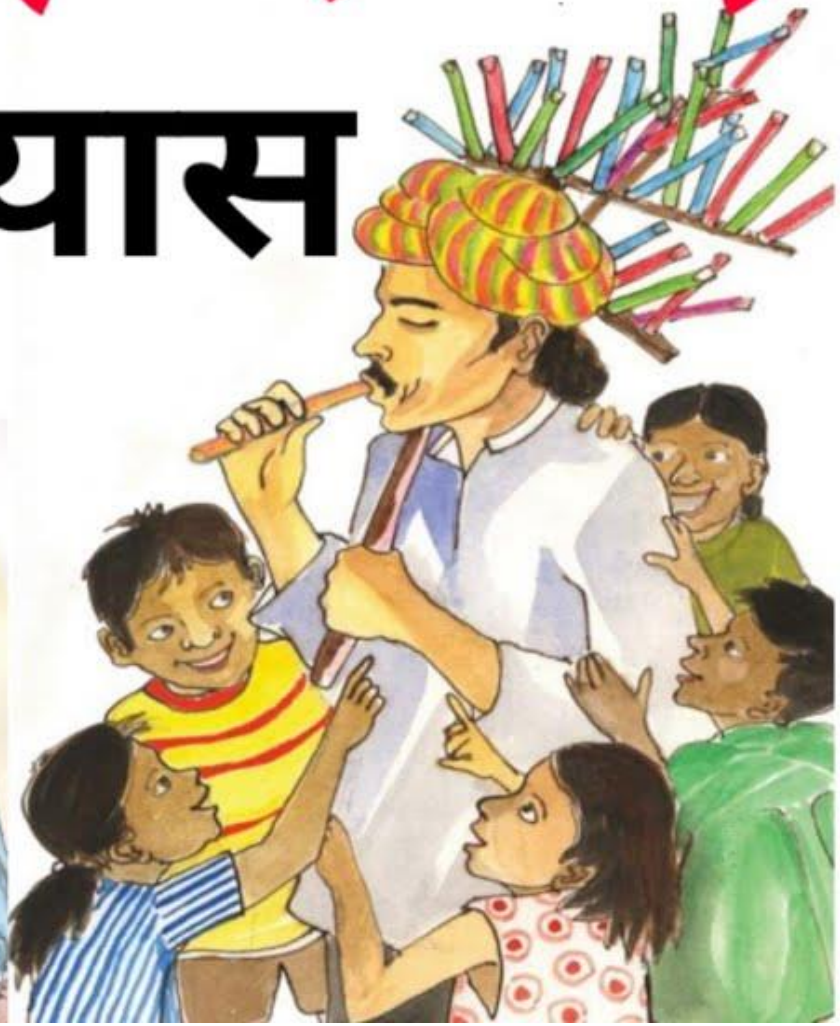

अति लघु प्रश्न -

प्रश्न-1 खिलौने देखकर बच्चों को कैसा लगता है?
उत्तर - बच्चे खिलौने देखकर पुलकित हो उठते हैं।

प्रश्न-2 मुन्नू ने कितने पैसे में खिलौना ख़रीदा था ?
उत्तर - मुन्नू ने दो पैसे में खिलौना ख़रीदा था।

प्रश्न-3 खिलौनेवाला मुरली बेचने नगर में कब आया?
उत्तर - खिलौनेवाला मुरली बेचने नगर में छह महीने के बाद आया।

प्रश्न-4 मुरलीवाला कैसा साफ़ा बाँधता था?
उत्तर - मुरलीवाला बीकानेरी रंगीन साफ़ा बाँधता था।

प्रश्न-5 चुन्नू और मुन्नू ने कौन-सा खिलौना ख़रीदा?
उत्तर - चुन्नू और मुन्नू ने हाथी और घोड़ा ख़रीदा।

लघु प्रश्न -

प्रश्न 1. मुरलीवाला कैसा दिखता था?

उत्तर - मुरलीवाला तीस-बत्तीस का दुबला-पतला गोरा युवक था और वह बीकानेरी रंगीन साफ़ा बाँधता था।

प्रश्न 2. मुरलीवाले का व्यवहार बच्चों के साथ कैसा था?

उत्तर - मुरलीवाले का व्यवहार बच्चों के साथ बहुत स्नेहभरा होता था। बच्चे जिस रंग की मुरली पसंद करते, मुरलीवाला उसी रंग की मुरली निकाल कर दे देता था।

प्रश्न 3. खिलौनेवाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

उत्तर- खिलौनेवाले की मधुर आवाज़ सुनकर बच्चे अपना खेल छोड़कर खिलौनेवाले को घेर लेते थे। वे तोतली भाषा में खिलौनों की कीमत पूछते थे। खिलौने खरीदते ही उछलने लगते थे। वे अपनी पसंद का खिलौना लेने की ज़िद भी करते थे।

प्रश्न 4. रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो आया?

उत्तर- मुरलीवाला भी खिलौनेवाले की तरह ही गा-गाकर मुरली बेच रहा था। रोहिणी को मुरलीवाले का स्वर जाना-पहचाना लगा इसलिए उसे खिलौनेवाले का स्मरण हो आया।

दीर्घ प्रश्न -

प्रश्न 1. मिठाईवाला अलग-अलग चीज़ें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर- बच्चे एक ही चीज़ से उब न जाए इसलिए वह बच्चों के पसंद की अलग-अलग चीज़ें बेचता था। वह महीनों बाद इसलिए आता था ताकि उसकी चीज़ों में बच्चों की उत्सुकता बनी रहे। उसे पैसों का कोई लालच नहीं था, वह तो केवल अपने मन की संतुष्टि के लिए बच्चों की मनपसंद चीज़ें बेचा करता था।

प्रश्न 2. मिठाईवाले में वे कौन-से गुण थे जिनकी वजह से बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी ओर खींचे चले आते थे?

उत्तर- निम्नलिखित कारणों से बच्चे तथा बड़े मिठाई वाले की ओर खिंचे चले आते थे –

(क) मिठाईवाला मधुर स्वर में गाकर अपनी चीज़ों को बेचता था।

(ख) वह सस्ते में बच्चों को खिलौने तथा मिठाइयाँ देता था।

(ग) उसके हृदय में बच्चों के लिए स्नेह था।

(घ) हर बार नई चीज़ें लाता था।

प्रश्न 3. विजय बाबू एक ग्राहक थे और मुरलीवाला एक विक्रेता दोनों अपने-अपने पक्ष के समर्थन में क्या तर्क पेश करते हैं?

उत्तर- एक ग्राहक के रूप में विजय बाबू अपना तर्क पेश करते हुए कहते हैं कि "तुम लोगों की झूठ बोलने की आदत होती है। देते होंगे सभी को दो-दो पैसों में पर एहसान का बोझ मेरे ही ऊपर लाद रहे हो"।

एक विक्रेता के रूप में मुरली वाले का तर्क है- "आपको क्या पता बाबूजी की इनकी असली लागत क्या है! यह तो ग्राहकों का दस्तूर होता है कि दुकानदार चाहे हानि उठाकर चीजें क्यों न बेचे, पर ग्राहक यही समझते हैं- दुकानदार मुझे लूट रहा है। आप भला क्यों विश्वास करेंगे"।

प्रश्न 4. 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा' कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा क्यों कहा ?

उत्तर- 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा' कहानी के अंत में मिठाई वाले ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि- (1) पहली बार किसी ने उसके प्रति इतनी आत्मीयता दिखाई और उसके दुख को समझने का प्रयास किया।

(2) वह भावुक हो गया।

(3) उसे रोहिणी के बच्चों में अपने बच्चे नज़र आए।

प्रश्न 5.–इस कहानी में रोहिणी चिक के पीछे से बात करती है। क्या आज भी औरतें चिक के पीछे से बात करती है ? आपकी राय में क्या यह सही है ?

उत्तर- आज की औरतें चिक के पीछे से बात नहीं करतीं। यदि कुछ औरतें ऐसा करती भी है तो वे अपने पिछड़ेपन का परिचय देती हैं। कभी-कभी ऐसा करने के लिए उन पर घर के सदस्यों का दबाव भी होता है। मेरी राय में यह सही नहीं है। हर औरत को आज के युग के अनुसार खुलकर अपनी बात कहनी चाहिए।

https://www.youtube.com/watch?v=lFoYiU-Rypg

(प्रश्न-1 अनेकार्थी शब्द)- जिन शब्दों के एक से ज्यादा अर्थ होते हैं उन शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहते हैं |

(A word having more than one meaning is called Anekarthi Shabd)

1. लक्ष्य- निशाना, उद्देश्य
2. नाग- हाथी, साँप
3. बल- सेना, शक्ति
4. मान- इज्जत, अभिमान
5. अर्थ - मतलब, धन
6. हार - आभूषण, पराजय

प्रश्न-2 पर्यायवाची शब्द-

1. न्याय- इनसाफ़, फैसला
2. नया- नव, नवीन
3. अनोखा- अनुपम, अनूठा
4. प्रधान- प्रमुख, मुखिया
5. अनुमति- आज्ञा, मंजूरी
6. आदत- स्वभाव, प्रकृति

प्रश्न-3- राजेश एक पेड़ काट रहा है उसका मित्र सोहन उसे पेड़ काटने के लिए मना करता है दोनों मित्रों के बीच हुए इस संवाद को लिखिए |

उत्तर -

राजेश : अरे सोहन! कब आए?
सोहन : बहुत देर से तुम्हें देख रहा हूँ।
राजेश : क्यों भाई, क्या हुआ?
सोहन : तुम इस पेड़ को क्यों कटवा रहे हो? तुम जानते हो पेड़ हमारे लिए जीवनदायी होते हैं।
राजेश : यह तो है, पर देख! इसकी शाखाएँ कितनी फैल गई हैं, मेरे कमरे में तो रोशनी ही नहीं आती।
सोहन : तो केवल शाखाओं की छँटाई कराओ। कमरे में रोशनी भी आ जायेगी और पेड़ भी बच जायेगा।
राजेश : हाँ, तुमने ठीक कहा। मैं केवल इसकी शाखाओं को ही छँटवाऊँगा
सोहन : तुम तो मेरी बात बहुत जल्दी समझ गये ।
राजेश : तुम्हारा दोस्त हूँ न, तुम्हारी बात क्यों नहीं समझूँगा।।

H. Work-प्रश्न-4 दिए गए चित्र को देखकर 40-50 शब्दों में वर्णन कर लिखिए|

घर में रहें , सुरक्षित रहें और स्वस्थ रहें

धन्यवाद---